आओ बच्चो तुम्हें बताएं

(हिन्दी)

श्रीहरि:

विषय-सूची

हे भगवान्

हे भगवान हे भगवान।
करो सभीका तुम कल्यान॥
बन जायें हम सब बिद्वान।
करें तुम्हारा फिर गुन-गान॥

सूरजकी कहानी

सूरज आगका धधकता गोला है।

सूरजका परिवार बहुत बड़ा है।

सूरजका परिवार बहुत दूरतक फैला हुआ है।

सूरजके परिवारमें नौ बच्चे हैं।

सूरजका परिवार सूरजके चारों ओर घूमता है।

सूरज धरतीसे लगभग ९ करोड़ तीस लाख मील दूर है।

****

सूरजका प्रकाश बड़ी तेजीसे चलता है।

यह एक सेकंडमें १,८६,००० मील चलता है।

सूरज हमारे जीवनका सहारा है।

सूरज हमें प्रकाश देता है, गरमी देता है।

सूरजकी गरमीसे फल-फूल पकते हैं।

सूरजकी गरमीसे साग-सब्जी पकते हैं।

सूरजकी गरमीसे अनाज पकते हैं।

सूरज गंदगीको नष्ट करता है।

सूरज बारिस बरसाता है।

सूरज कुशल डाक्टर है।

सूरज बीमारीके कीड़ोंको मारता है।

सूरज रोगोंको दूर करता है।

सूरज हमारा बहुत काम करता है।

सूरज हमको जिन्दा रखता है।

सूरज नहीं तो दुनिया नहीं।

धरतीकी कहानी

धरतीकी कहानी बड़ी मजेदार है।

इसे सुनकर आप लोट-पोट हो जायँगे।

***

धरती सूरजसे पैदा हुई है।

धरती सूरजकी बेटी है।

धरती बहुत पुरानी है।

लगभग साढ़े चार अरब वर्ष पुरानी है।

धरतीमें पानी है।

धरतीमें मिट्टी है।

धरतीमें बड़ी गरमी है।

धरतीकी गरमी आगकी गरमीसे कई हजार गुना अधिक है।

धरती गोल है।

सेवकी तरह गोल है।

धरती घूमती है।

लट्टूकी तरह घूमती है।

सूरजके चारों ओर घूमती है।

धरतीपर बहुत-सी चीजें हैं।

बड़े कामकी चीजें हैं।

धरतीपर बहुत पहाड़ हैं; जंगल है।

नदी हैं; नाले हैं।

तालाब हैं; कुंड हैं।

धरतीके पेटमें भी बहुत-सी चीजें हैं।

बड़े-बड़े खजाने हैं।

सोना है; चाँदी है; ताँबा है।

लोहा है; टीन है; अभ्रक है; कोयला है।

मिट्टीका तेल है; खनिज पदार्थ हैं।

ऐसी है हमारी धरती।

धरती हमें सब कुछ देती है।

लेती कुछ भी नहीं है।

इसीलिये धरतीको धरती माता कहते हैं।

हिमालय

हिमालय दुनियाका सबसे ऊँचा पहाड़ है।

हिमालय बहुत दूरतक फैला हुआ है।

हिमालय लगभग दो हजार मील लंबा है।

हिमालय पचाससे सौ मीलतक चौड़ा है।

हिमालय चार-पाँच मील ऊँचा है।
हिमालयकी सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट है।
यह चोटी लगभग साढ़े पाँच मील ऊँची है।
बहुत-से साहसी लोगोंने इसपर चढ़नेकी कोशिश की।
कितने ही इस कोशिशमें जानपर खेल गये।
अन्तमें वीर तेनसिंह १९ मई १९५३ को
इस चोटीपर चढ़ ही गया।
तेनसिंहका नाम दुनियामें चारों ओर फैल गया।
तेनसिंह दुनियामें प्रसिद्ध हो गया।
हिमालय सदा बर्फसे ढका रहता है।
ऐसा लगता है जैसे सफेद चादर बिछी हो।
हिमालयसे गङ्गा निकलती है।
हिमालयसे यमुना निकलती है।
हिमालय भारतका पहरेदार है।
ऐसा है हमारा हिमालय।

गाय और बछड़ा
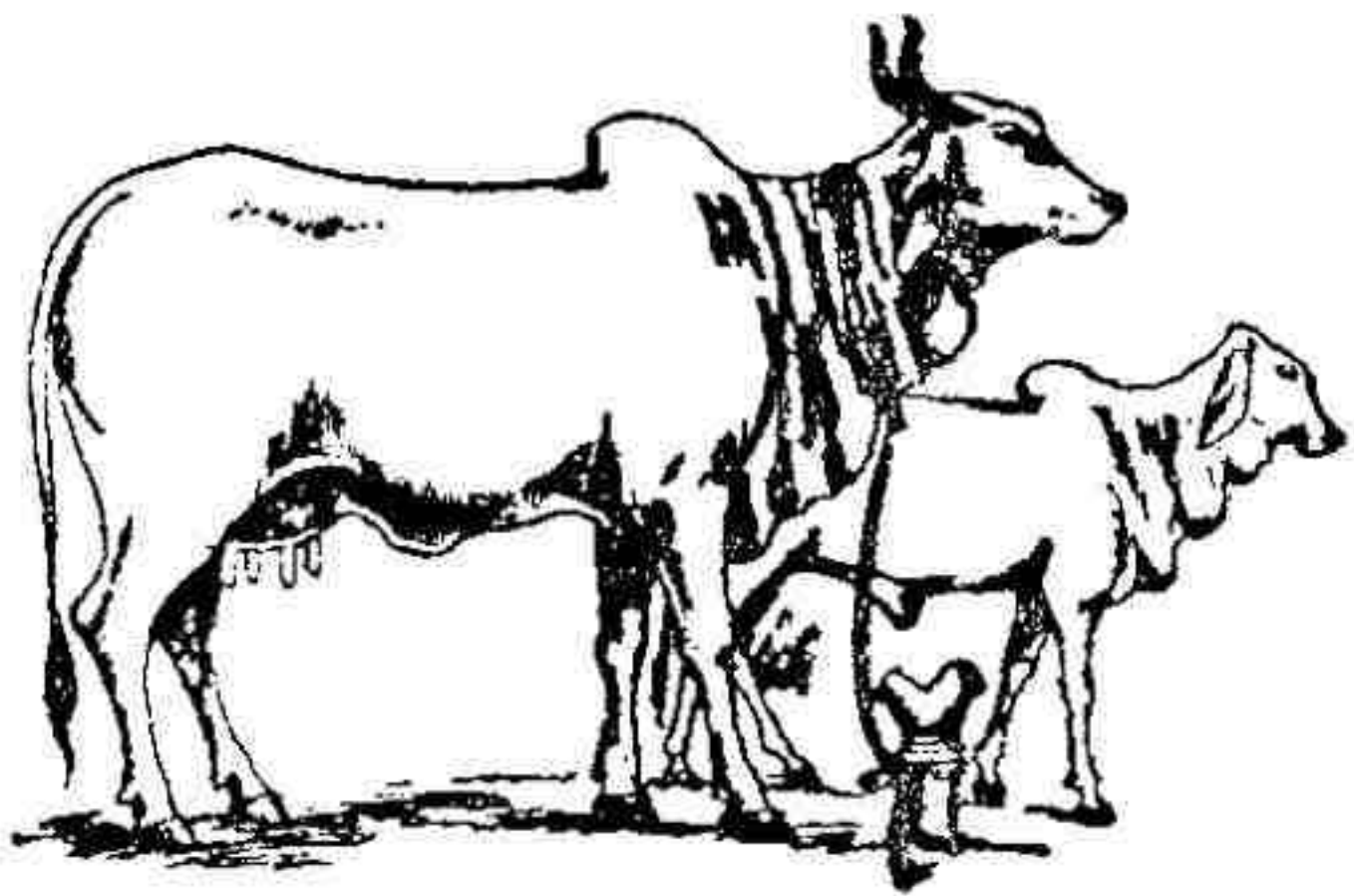
एक थी गाय।

सफेद गाय।

भोली-भाली गाय।

सुन्दर और बढ़िया गाय।
उसके दो आँखें थीं।
दो कान थे।
चार लंबे थन थे।
चार पैर थे।
एक पूँछ थी।
दो बड़े सींग थे।
सींग लंबे, नुकीले थे।
वह हरी घास खाती थी।
ठंडा पानी पीती थी।
बाड़ेमें रहती थी।
सुबह-शाम दूध देती थी।
मीठा दूध देती थी।
ताजा दूध देती थी।
गाढ़ा दूध देती थी।

****

नाम था उसका कला।

कलाके एक बछड़ा था।

नन्हा-सा बछड़ा।

प्यारा और सलोना बछड़ा।

रंग था उसका पीला।

वह अपनी माँका दूध पीता था।

माँ उसे चाटती थी।

चाट-चाटकर खुश होती थी।

दोनों साथ रहते थे।

दोनों खुश रहते थे।

एक गाय थी।

एक उसका बछड़ा था।
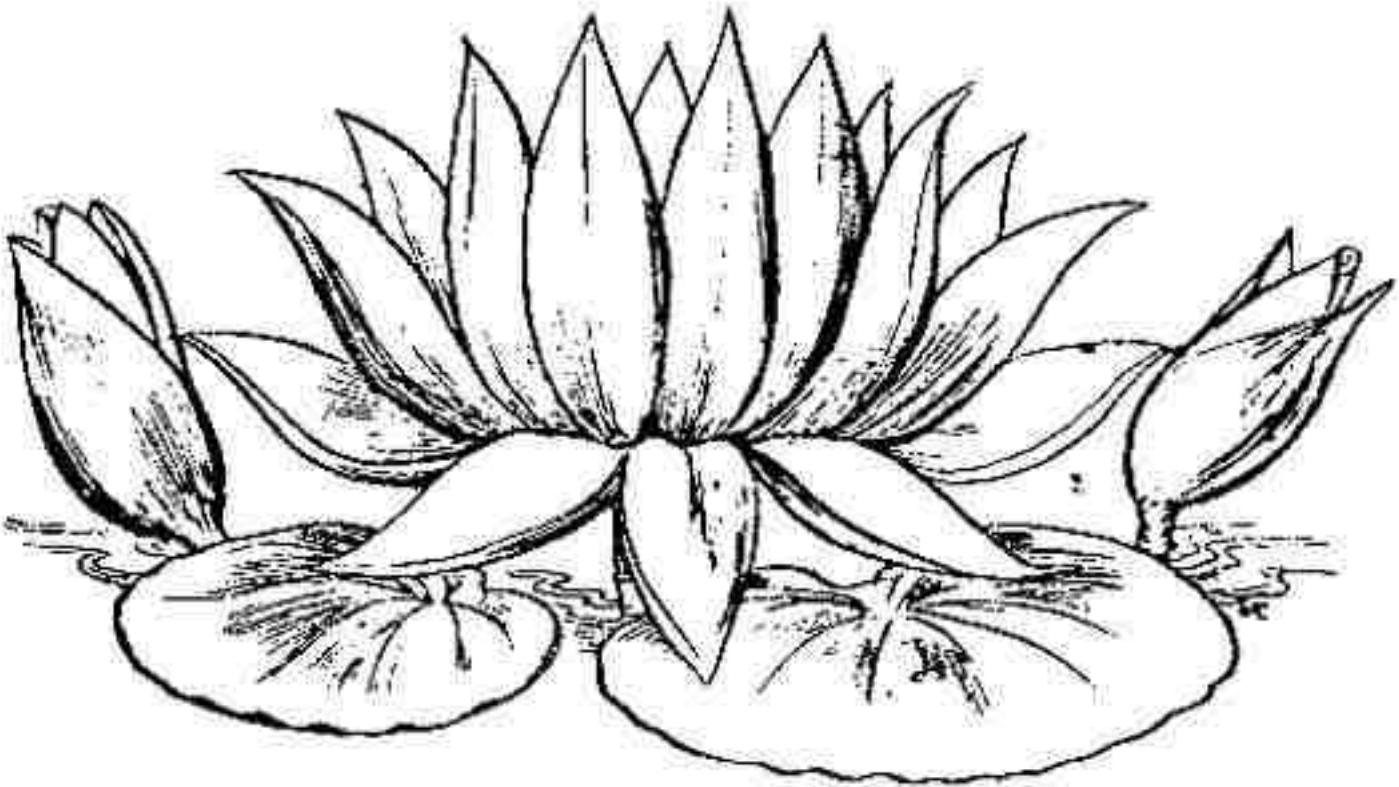
राजालाल

राजालाल एक चिड़िया होती है।

राजालाल झुंड बनाकर चलती है।

राजालाल पेड़की सबसे ऊँची डालपर रहती है।

राजालाल मार्चमें घोंसला बनाती है।

राजालाल कीड़े-मकोड़े खाती है।

राजालाल मच्छर बहुत पसंद करती है।

राजालाल सालमें तीन अंडे देती है।

राजालालके अंडे कबूतरके अंडों-जैसे होते हैं।

राजालालका रंग एक-सा नहीं होता है।

नरका रंग भूरा और लाल होता है।

मादाका रंग लाल, काला, पीला और भूरा होता है।

राजालाल बहुत सुन्दर होती है।

राजालाल बड़ी चञ्चल होती है।

राजालाल इधर-से-उधर चक्कर काटती है।

राजालालको पड़े रहना अच्छा नहीं लगता।

राजालाल कुछ-न-कुछ करती ही रहती है।

क्या काम आता है ?

चाकू कलम बनानेके काम आता है।
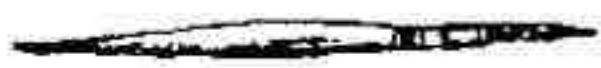
होल्डर लिखनेके काम आता है।

लोटा पानी रखनेके काम आता है।

जूता पहननेके काम आता है।

थैला सामान रखनेके काम आता है।
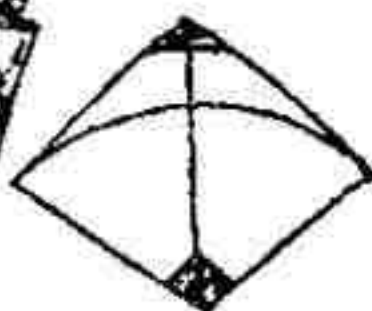
पतंग उड़ानेके काम आता है।

बल्ला खेलनेके काम आता है।

तबला बजानेके काम आता है।

टोप ओढ़नेके काम आता है।

बक्स चीजें रखनेके काम आता है।

खेत बोनेके काम आता है।

कौन क्या करता है ?

किसान हल चलाता है।

धुनका रूई धुनता है।

जुलाहा कपड़े बुनता है।

धोबी कपड़े धोता है।

दरजी कपड़े सीता है।

रंगरेज कपड़े रँगता है।

कुम्हार बरतन बनाता है।

मजदूर बोझ उठाता है।

तबलची तबला बजाता है।

माली पौधे लगाता है।

बढ़ई सामान बनाता है।

सुनार जेवर बनाता है।

तेली तेल निकालता है।

हलवाई मिठाई बनाता है।

लोहार लोहा पीटता है।

राज घर बनाता है।

मोची जूते बनाता है।

कौन कहाँ रहता है ?

बंदर पेड़पर रहता है।

शेर माँदमें रहता है।

खरगोश भींटमें रहता है।

घोंघा खोलमें रहता है।

खटमल खाटमें रहता है।

मच्छर गंदगीमें रहता है।

कबूतर काबुकमें रहता है।

घोड़ा अस्तबलमें रहता है।

पक्षी घोसलेमें रहता है।

चूहा बिलमें रहता है।

साँप बाँबीमें रहता है।

दूध थनोंमें रहता है।

पत्थर खानमें रहता है।

कैदी जेलमें रहता है।
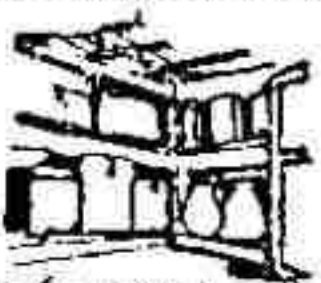
सामान भंडारमें रहता है।

रस गन्नेमें रहता है।

माली बागमें रहता है।

पानी कहाँ-कहाँ रहता है?

पानी धरतीमें रहता है।

पानी महासागरमें रहता है।

पानी सागरमें रहता है।

पानी नदीमें रहता है।

पानी झीलमें रहता है।

पानी चश्मेमें रहता है।

पानी कुएँमें रहता है।

पानी कुंडमें रहता है।

पानी नालेमें रहता है।

पानी तालाबमें रहता है।

पानी बावड़ीमें रहता है।

****

पानी हौजमें रहता है।

पानी बादलमें रहता है।

पानी भापमें रहता है।

पानी नलमें रहता है।

पानी फव्वारेमें रहता है।

पानी टंकीमें रहता है।

पानी नहरमें रहता है।

पानी घड़ेमें रहता है।

पानी सुराहीमें रहता है।

किससे क्या काम लेते हैं ?

हम आँखसे देखते हैं।

हम कानसे सुनते हैं।

हम मुँहसे खाते हैं।

हम दाँतसे काटते हैं।

हम जीभसे चाटते हैं।

हम होठोंसे चूसते हैं।

हम नाकसे सूँघते हैं।

हम हाथसे पकड़ते हैं।

हम अँगुलीसे छूते हैं।

हम पाँवसे चलते हैं।

कौन कितने साल जीता है ?

तितली दो-तीन मास जीती है।

चींटी एक साल जीती है।

चूहा दो-तीन साल जीता है।

खरगोश आठ साल जीता है।

भेड़ बारह साल जीती है।

मुर्गी चौदह साल जीती है।

लोमड़ी दस-बारह साल जीती है।

बंदर पंद्रह साल जीता है।

****

तीतर पंद्रह साल जीता है।

शेर पंद्रह-बीस साल जीता है।

मेढक पंद्रह साल जीता है।

बिल्ली पंद्रह साल जीती है।

कुत्ता बीस साल जीता है।

गाय पचीस साल जीती है।

मोर चौबीस साल जीता है।

रीछ पचास साल जीता है।

हाथी सौ साल जीता है।

साँप सौ साल जीता है।

तोता सौ साल जीता है।

कौआ सौ साल जीता है।

घोड़ा तीस साल जीता है।

कबूतर बीस साल जीता है।

ऊँट पचास साल जीता है।

कौन कब पचता है ?

उबले हुए चावल एक घंटेमें पचते हैं।

जौ दो घंटेमें पचते हैं।

दूध सवा दो घंटेमें पचता है।

उबली गोभी साढ़े चार घंटेमें पचती है।

कच्ची गोभी ढाई घंटेमें पचती है।

उबली शलगम साढ़े तीन घंटेमें पचती है।

उबले आलू साढ़े तीन घंटेमें पचते हैं।

गाजर तीन घंटेमें पचती है।

मूली तीन घंटेमें पचती है।

मटर तीन घंटेमें पचता है।

रोटी चार घंटेमें पचती है।

मीठा सेव डेढ़ घंटेमें पचता है।

—★—

कैसा ?

दूध-सा सफेद
बर्फ-सा सफेद
चाँदी-सा सफेद
कोयल-सा काला
तवे-सा काला
हल्दी-सा पीला
गाय-सा भोला
भेड़-सा सीधा
बंदर-सा चञ्चल
मिश्री-सा मीठा
गेंद-सा गोल
रूई-सा हलका
रेशम-सा मुलायम
लोहे-सा कड़ा
पत्थर-सा सख्त
लोमड़ी-सा धूर्त
शेर-सा बलवान्

****

ऊँट-सा द्वेषी

सुई-सा नुकीला

घास-सा हरा

शहद-सा मीठा

शरबत-सा मीठा

साँप-सा जहरीला

पानी-सा पतला

काँटे-सा कँटीला

खटाई-सा खट्टा

मोती-सा चमकीला

नीम-सा खारा ।
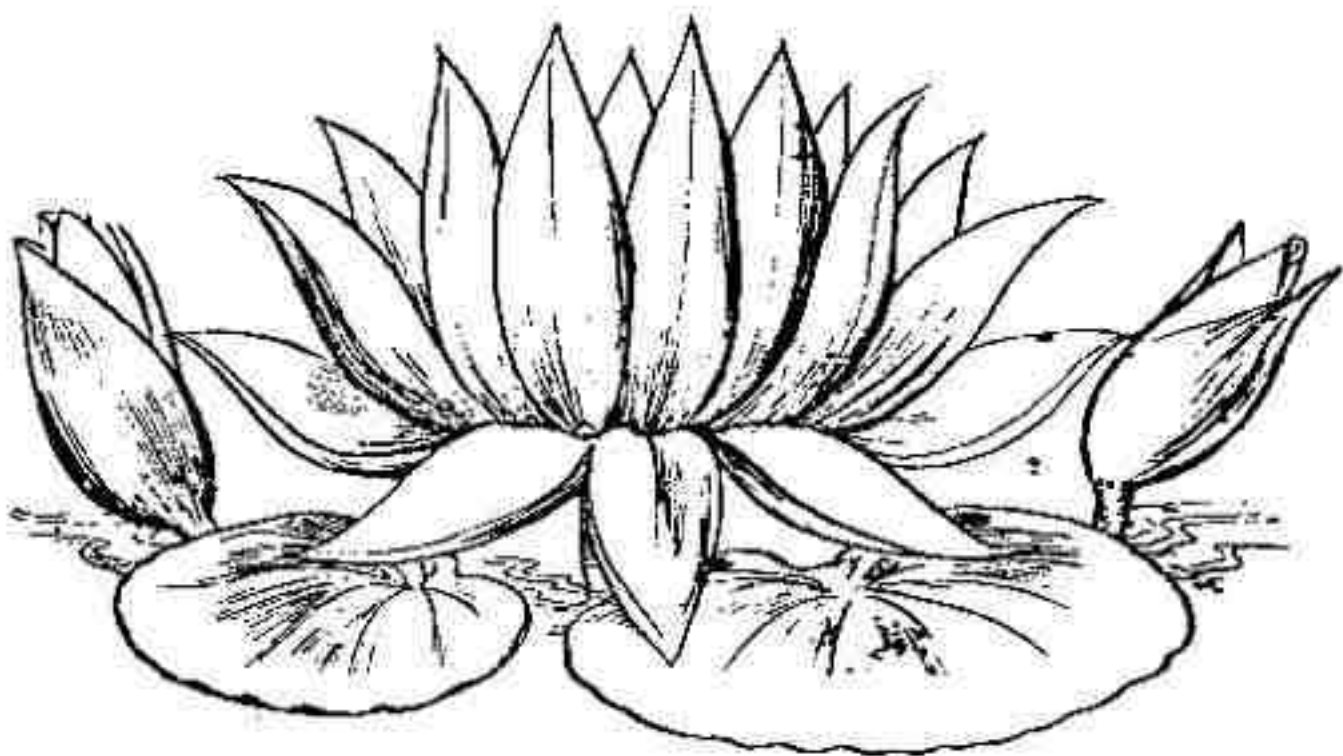
सदा साफ रखिये

बाल सदा साफ रखिये।

आँख-मुँह सदा साफ रखिये।

नाक-कान सदा साफ रखिये।

दाँत-जीभ सदा साफ रखिये।

अँगुली-अँगूठा सदा साफ रखिये।

नाखून सदा साफ रखिये।

हाथ-पैर सदा साफ रखिये।

सारा शरीर सदा साफ रखिये।

कपड़े सदा साफ रखिये।

किताबें सदा साफ रखिये।

कमरा सदा साफ रखिये।

सामान सदा साफ रखिये।

आस-पासका स्थान सदा साफ रखिये।

अपना सब कुछ सदा साफ रखिये।

इतना करेंगे तो बीमारी कभी न आयेगी।